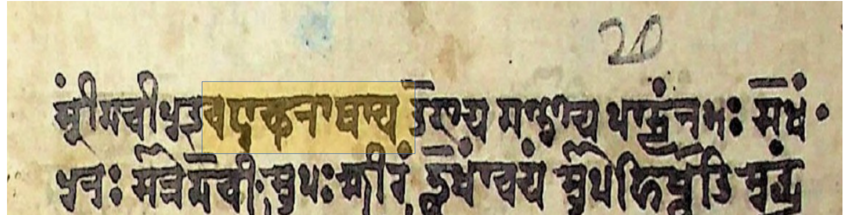
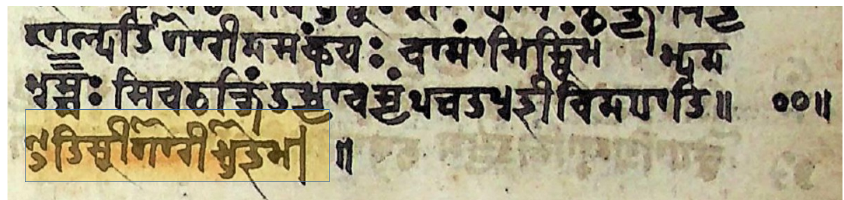
Manuscript 126

Title : Batuka Nath Puja – Gowri Stotra - Dinakrand Stotra (by Shri Shankaracharya) -Shiv Manas Puja-Mahadev Stotra

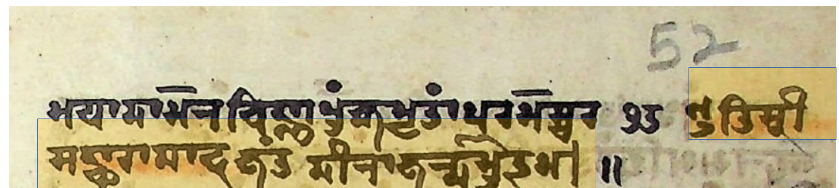
Batuka Natha Puja



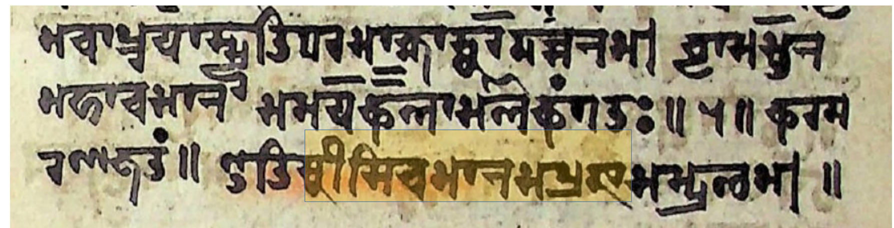
Gowri Stotra



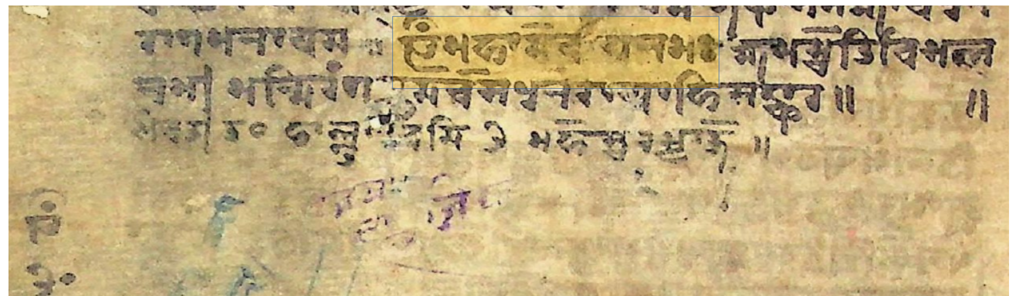
Dinakranda Stotra
(by Shri Shankaracharya)



Shiva Manasa Puja



Mahadeva Stotra



ॐ नमः शिवाय ॥ [illegible]

[illegible]

येनमः ऊर्ध्वकेशचर्वायनमः ॥ ऐं ह्रीं श्रीं मं चीं भैर
वटुकनाथायनमः पूर्ववक्त्रायनमः दक्षिणव
क्त्रायनमः पश्चिमवक्त्रायनमः उत्तरवक्त्रायनमः
ऊर्ध्ववक्त्रायनमः ॥ ऐं ह्रीं श्रीं मं चीं भैरव वटुकनाथ
यनमः दक्षिणे वटुकायनमः उत्तरे योगिनीभ्यो
नमः पश्चिमे भुवनमातृपालायनमः पूर्वे क्षेत्रपा
लायनमः मध्ये रक्तालाक्तालास्मरायनमः ॥ ऊर्ध्व
संवेष्टितालायनमः ऐंसौः वज्रपामकराय वश्यव

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ऋषिः [illegible] उक्तः [illegible] ३

[illegible] ऋषिः [illegible] ३ वामदेवाय ऋषिः [illegible]

[illegible] वामदेवस्य विनायकस्य [illegible]

स्य [illegible] मधुराभनस्य [illegible] वामदेवस्य उ [illegible]

[illegible] पूर्ववक्त्रस्य दक्षिणवक्त्रस्य पश्चिमवक्त्रस्य उत्तरव

क्त्रस्य ऊर्ध्ववक्त्रस्य [illegible]

दक्षिण [illegible] उत्तर [illegible] पश्चिम [illegible]

[illegible] पूर्व [illegible]

8

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

ॐ ह्रां ह्रीं ह्रीं सौं गं चीं भैरव वटुकनाथाय: विस्त
मनुष्य सर्वभूतदमनाय अभि विक्रणाय ॥
ऽथ ध्यानम्, यामशुभान, श्रुवालकनं तथावत्
त्वं सर्व विनायक त्रीं कुलकुमारं सर्वं सत्वंस्मरं
भक्तानामध्ये विक्रमालमावतः अवतु
मरिच्यवतु पश्चिमवतु उत्तरवतु उर्ध्ववतु
ह्रां ह्रीं ह्रूं सर्वभैरव वटुकनाथं मातृकापवृत्त
उर्ध्व योगिनीनां पक्षिमर्त्यकल्पवल्ली अवतु ति

[illegible] भट्टारकानां गुरुं पुण्ये चतुर्णां
नेत्रउत्पाद्य प्रकाशं च वायवे भक्तानां
तं मानं विसृज्य तत् उन्मन्तं सुवा[illegible]
मि त्रिपुरां क्रमं ॥ त्रिपुरा[illegible]क्रमे च तं स्मर ॥ पार
लिङ्गमित्रत्वात् प्रभुः ॥ लिङ्गं हि सर्वमयं [illegible] ॥ पार
कुमं तत्र ॥ तत्र त्रिकोणं च प्रभुः सर्वा[illegible]
म पञ्चकं भक्तयोः कण्ठे प्रत्युत्पन्नं [illegible] ॥ हि
नवकं तत्र [illegible]प्रधानं सपत्रपत्रैः उद्धृतं [illegible]

शि
व

12

भिवभावाकयूभूकभ्री॥ ध्रुवाकयाभूकंमेवंणान्सिंमं॥ ५ ॥
भ्रायेभ्रणननमेव॥ मेलमुरभुउनयाः॥ ध्रुवम्कयाभ्र
कंमेवं त्रुभागंधर्भ्रापभूकुभा भम्रुराभनभाष्युरुठं
वाभकयभूमभा वत्रुवन्भक॥ ध्रुवाक यम्रुकंक
नं॥ भ्रीमिणवम्र॥ ध्रुवाकयाभिभरवा॥ भ्रुरंयपरं॥
डंभचणभि॥ भप्लापरः॥ वाभंकयभकः॥ भ्रीण॥
त्रुवाकयाभिमभिभभत्रिठभाद्भ॥ लोडिधत्रुंभचकु॥
नेभ्रीणठंभनुंगी॥ किंभुयभा॥ भवववकभ्र्व

[illegible]

 14

कांस्तुत्लीमन्त्रपाभिः मध्यनत्रिभिरवेन्तेहृल्लयस्तु
पवीतः त्रु उन्मभयमधरु विध्रुविद्रुममके स्यरुत्रि
वपुकनाघः भिद्रुमः भणकान्नाभो ॥ पन्माद्रुमे
रुभककरुयेउावक्रुत्तंसुल्लंकयक्तुभभल्लंपरिन्रु
भान्नभो सक्रान्ननउिनयंनमूसिापत्रुसुरुंवच्चोविकु
वडुकभड्डापोिं॰ मंभुभो ॥ त्रिंत्रिंह्रीं मेचीभट्टवडुक
नाघायनमः ॥ मुर्धमक्रिम ॥ एकपार्भक्रत्व
ज्ञंपक्रुवक्कंडिल्लिमनभो मेचीभडंमवडुकंडंभ्रू ७

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

भार्गाय मन्त्रेशाय नमः ॥ यक्षेश्वराय धनेशाय नमः सिद्ध॰
[illegible] नमः अनन्ताय [illegible] नमः ॥ [illegible] मयधूर्त्तः,
नेमिश्चन्द्रः [illegible] ॥ [illegible] ।
[illegible] ॥ [illegible] :
[illegible] ॥
[illegible] ।
[illegible] नमः ॥ [illegible]
शि [illegible] ॥ [illegible] नमः ॥ [illegible] :
सं॰
०३

29

[illegible] ॥ [illegible] वस्त्रं ॥ [illegible]
[illegible] वस्त्रं [illegible]
[illegible] वस्त्रं [illegible]
[illegible] यज्ञोपवीतं ॥ [illegible]
यज्ञोपवीतं [illegible]
[illegible] यज्ञोपवीतं नमः ॥
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]

26

कउन्मनअ· उगून्यमवायभभग्र· भकन्मवायवभर
भ्र· ठीभन्यमवान्ययमलभान्नभ्र· गंमान्नायमवाय
मुकान्सभ्र·॥ वयभग्र ग्रभिग्रव· ॥ भकमवभ
ङ्गीमलणमीमनिराकून ग्रथंणकान्लमवसभ
ङ्गांगुगुल कल्यिउभ॥ ठवान्य विन क्लींकाजुः
मभान्य वान्भमवान्य एंह्रीं श्रीमवी· उभन्य मकुः
ग्रथंनभः॥ गन्युभेमज्ञेम, उभेभि॥ फिरष्टवान्ठ
भनान्नीयीमभिमांधउमिव मीथंणकान्लकग्रक

[illegible]

ॐ लक्षुभंस्म ल्लायनिनु ल्लभक्तुल्ल ल्लायन्नत्रुमुल्तरभु
ल्लायनाग्रभकेश्वर ल्लायान्हुकरिपमेभु ल्लायभक्तामि
कम्रकु ल्लायपद्मकल्ला जोडू ल्लायसुलिकुपाल्लहडा
ल्लायेधन्तुन्तुमन्तुरुरु ल्लायनन्तुर्धिनमिडु ल्लायन्ने
कण्ल्लमेधु ल्लायश्वभिक्षकेश्वर ल्लायविश्वगमिविश्व
मल्लायविश्वकर्कराल्ल ल्लायविश्वभावन्तुमुद्र ल्लाय
विश्वश्रभैरव ॥ ल्लायनिराभय ल्लायश्रपाभय ल्लाय
पाडुभाडु श्रीपिडु ल्लायकुडान्हुक ल्लायभगन्त्रक ल्लाय

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

34

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

शूराय मंत्र मिमिवायमिगभगाय ॐ अनेकाराय नमः
शिवाय ॥ भक्तानामभ्युदयप्रदाय भक्तप्रियाय
ओं शिवाय ॐ नीलकण्ठाय ॐ धर्माय कराय ॐ अनेकरा
य नमः ॥ शिवाभाय भूतानां विकृतिरूपाय मणि
भूषणाय विनाशकाय मन्मथदर्पघ्नाय ललितमन्य
ॐ अमितकराय ॥ नमितजनमोदनाय ॐ भगवाने
श्मशानवासिने सर्वाय श्रीनीलकण्ठाय यगणाधिपाय
ॐ अनेककराय ॥ यज्ञस्वरूपाय ब्रह्म शिवाय धिना

शि॰ व॰ १०

[illegible]
[illegible] ॥ १ ॥
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ २ ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ३ ॥ [illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

 45

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] १०
[illegible]
[illegible] ॥ १० ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ११ ॥
[illegible]

[illegible]

१

[illegible]

[illegible]

54

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

र विघ्नाप्याने भुमे कृमयमे धन भेन भत्तु ॥
श्रुकिंनरमभिनयत्तुयभत्तुकेभं कीलम्बल्लीथम
भंयः किमयंभक्तेम भम्नाभत्तु कूल्याकृमय
श्रुधीरुंश्रुीडंधिनाधुिसर लंणउत्यक्लाउत्तु ॥

९७ गंउत्तुभभिक्लंभडिल्लकंश्राथाक्लुनक्लुभुलं
श्लावित्रेयकरणमवीश्रमाल्लभक्लंभत्तुकल्लेद्रलभा
श्रिंधुविश्वुउल्लाधरभ्रुलभिडंनील्लालकाल्लक्लुडं

 58

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]